SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR - 416 004,
MAHARASHTRA
PHONE : EPABX – 2609000, www.unishivaji.ac.in, bos@unishivaji.ac.in
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर - ४१६ ००४, महाराष्ट्र
दूरध्वनी - ईपीएबीएक्स - २६०९०००, अभ्यासमंडळे विभाग – ०२३१—२६०९०९४

Estd. 1962
"A++" Accredited by
NAAC (2021)
With CGPA 3.52

जा.क्र./शिवाजी वि./अ.मं./मराठी/६७० दि.०७/०९/२०२३

प्रति,

१. मा. प्राचार्य/संचालक,
सर्व संलग्नित महाविद्यालये/मान्यताप्राप्त संस्था,
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

२. मा. अधिविभाग प्रमुख,
हिंदी अधिविभाग,
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

विषय : एम. ए. भाग १ हिंदी कोर्सच्या अभ्यासक्रमाबाबत...
संदर्भ : या कार्यालयाचे पत्र क्र५६० दि.२६/०७/२०२३.

महोदय,

उपरोक्त संदर्भिय विषयास अनुसरुन आपणास आदेशान्वये कळविण्यात येते की, शैक्षणिक वर्ष २०२३—२४ पासून लागू करण्यात आलेल्या **एम. ए. भाग १ हिंदी कोर्सच्या** अभ्यासक्रमामध्ये किरकोळ दुरुस्ती करण्यात आलेली आहे. सोबत सदर अभ्यासक्रमाची प्रत जोडली आहे. तसेच विद्यापीठाच्या www.unishivaji.ac.in (Online Syllabus) या संकेतस्थळावर ठेवण्यात आला आहे.

सदर अभ्यासक्रम सर्व संबंधित विद्यार्थी व शिक्षकांच्या निदर्शनास आणून द्यावी ही विनंती.

कळावे,

आपला विश्वासू,

(डॉ. एस. एम. कुबल)
उपकुलसचिव

सोबत : अभ्यासक्रमाची प्रत.

प्रत : १. अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्याशाखा.
२. अध्यक्ष, हिंदी अभ्यास मंडळ.
३. संचालक, परीक्षा व मुल्यमापन मंडळ कार्यालयास.
४. परिक्षक नियुक्ती ए व बी विभागास.
५. इतर परीक्षा २ विभागास.
६. संगणक केंद्र/आय. टी. सेल विभागास.
७. दूरस्थ व ऑनलाईन शिक्षण विभाग.
माहितीसाठी व पुढील कार्यवाहीसाठी.

Estd. 1962
"A++" Accredited by NAAC (2021) With CGPA 3.52

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR - 416 004, MAHARASHTRA

PHONE : EPABX – 2609000, www.unishivaji.ac.in, bos@unishivaji.ac.in

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर - ४१६ ००४, महाराष्ट्र

दूरध्वनी - ईपीएबीएक्स - २६०९०००, अभ्यासमंडळे विभाग – ०२३१—२६०९०९४

Ref. No./SU/BOS/Humanities/560

Date :26/07/2023

To,

1. The Principal,
   All Concerenced Affiliated
   Colleges/Institutions,
   Shivaji University, Kolhapur

2. The Head,
   All Concerenced Department,
   Shivaji University, Kolhapur

Subject : Regarding syllabi of M. A. & M.R.S. Part I (sem. I & II) degree programme under the Faculty of Humanities as per National Education Policy, 2020 (NEP)

Sir/Madam,

With reference to the subject mentioned above I am directed to inform you that the University authorities have accepted and granted approval to the revised syllabi, equivalence and nature of question paper of M. A. & M.R.S. Part I (Sem. I & II) under the Faculty of Humanities as per National Education Policy, 2020. (NEP)

English	Hindi	Marathi	Sanskrit	History
Sociology	Economics	Political Science	Russian	Psychology
Bhasha Proudyogiki	M.R.S.			

This syllabi shall be implemented from the academic year 2023-24 onwards . A soft copy containing the syllabus is attached herewith and it is also available on university website www.unishivaji.ac.in (Online Syllabus).

For students of Distance Education this syllabi be implemented from the academic yerar 2023-24.

You are therefore, requested to bring this to the notice of all students and teachers concerned.

Thanking you,

Yours faithfully

Encl : As above

(Dr. S. M. Kubal)
Dy. Registrar

Copy to, For Information and necessary action.

Dean, Faculty of Humanities.	Computer Center/I. T. Cell.
Chairman, B.O.S./Ad-hoc Board under faculty of Humanities.	Eligibility Section.
Director, Board of Examinations & Evaluation	P. G. Seminar Section.
Appointment Section A & B	Distance Education Section.
O. E. Exam. 1 & 2 Section.	Affiliation Section (T. 1 & T 2)
P. G. Admission Section.	

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

Estd. 1962.

A++ Accredited by **NAAC** (2021)With CGPA 3.52

New Syllabus For

Master of Arts [M.A. in HINDI]

UNDER

Faculty of Humanuties

M.A.Part I (Sem-I and II)

STRUCTURE AND SYLLABUS IN ACCORDANCE WITH

NATIONAL EDUCATION POLICY-2020.

HAVING CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

WITH MULTYPLE ENTRY AND MULTYPLE EXIT OPTIONS

(TO BE IMPLEMENTED FROM ACEDEMIC YEAR 2023-24 ONWARDS)

INDEX

Sr. No.	Content	Page No
1	PREAMBLE	3
2	PROGRAMME LEARNING OUTCOMES (PO)	4
3	DURATION	5
4	ELIGIBILITY FOR ADMISSION	5
5	MEDIUM OF INSTRUCTION	5
6	EXAMINATION PATTERN	5
7	SCHEME OF TEACHING AND EXAMINATION	6
8	STRUCTURE OF PROGRAMME	7
9	COURSE CODE TABLE	8
10	EQUIVALENCE OF THE PAPERS	9
11	DETERMINATION OF CGPA, GRADING AND DECLARATION OF RESULTS	12
12	NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING	15
11	SYLLABUS	18

1. PREAMBLE:

(Write in 75 – 100 words as per your subject requirement)
Example:
HINDI :

हिंदी आज विश्व भाषा के शिरोमणि बन चुकी है. हिंदी के विश्वव्यापि स्वरूप पर नजर रखते हुए स्नातकोत्तर छात्रों को रोजगारपरक, आत्मनिर्भर और शिक्षित करना उचित है. सूचना क्रांति के युग में हिंदी अंतरजाल (इंटरनेट) पर अपना अधिपत्य जमा चुकी है. हिंदी अत्यंत संपन्न और गौरवशाली भाषा है. हिंदी का साहित्य समृद्ध है. हिंदी ने साहित्य तथा समाज के बीच अपना अलग रिश्ता बनाया' है. इन समस्त बातों की ओर ध्यान रखते हुए एम. ए. का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रस्तुत है.

आज भारत को छोडकर करीब 150 देशों में हिंदी का अध्ययन-अध्यापन चलता है. प्रवासी भारतीयों के साथ विदेश स्थित स्थानीय छात्र हिंदी का अध्ययन करते हैं. हमारे छात्रों को विदेश में रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं. एम. ए. हिंदी के छात्र हिंदी भाषा और साहित्य के सभी पारंपरिक स्वरूप तथा उनकी विशेषताओं एवं रचनाओं के साथ उसके अधुनातन स्वरूप से परिचित होंगे, भविष्य की सभी संभावनाओं को लेकर चलेंगे इस हेतु यह प्रस्तुत किया गया है. हिंदी के वैश्विक स्थान और उसके प्रचार-प्रसार के कारण छात्रों को रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त होंगे.

प्राचीन काल से आज तक हिंदी साहित्य से छात्रों को परिचित करना, उसकी प्रासंगिकता और उपयोगिता की जानकारी देना, उस समय का परिवेश, प्रमुख कवि और साहित्यकार और उनकी रचनाओं का परिचय देना, उद्देश्य रहा है. हिंदी भाषा, हिंदी साहित्य का इतिहास, भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा की समग्र जानकारी देना, हिंदी कथा और कथेत्तर साहित्य की विधाओं का परिचय तथा उसके अध्ययन के लिये समीक्षात्मक आयाम विकसित करा देना. हिंदी के विविध व्यावहारिक स्वरूप तथा प्रयोग का ज्ञान कराना भी उद्देश्य रहा है. वैद्यक, बँक, संगणक आदि हर क्षेत्र में हिंदी ने अपना अलग स्थान निर्माण किया है. आज विश्व साहित्य की संकल्पना काफी विकसित हो चुकी है. इन सभी बातों को केंद्र में रखकर एम. ए. हिंदी का पाठ्यक्रम प्रस्तुत है.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.

Syllbus for M.A. HINDI Programme To be introduced from June, 2023

As per the Guidelines fo NEP 2020.

PO(Programme Outcome)–

1. हिंदी भाषा,साहित्य अध्ययन के साथ अनुसंधान कार्य को बढावा देना.
2. छात्रों में सर्जनशील और समीक्षात्मक कौशल का विकास कराना.
3. एकसंघ भारत के लिए संवेदनशील विद्वत्जन और आदर्श नागरिक निर्माण हेतु प्रयास.
4. नेट/सेट परीक्षा के साथ हिंदी अधिकारी पद संबंधी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन कराना.
5. हिंदी की विविध बोली और भाषाओं में प्रचलित विविध वादों हेतु प्रोत्साहन प्राप्त करना.
6. सृजनात्मक लेखन और भाषिक कौशल प्राप्ति हेतु मार्गदर्शन कर, उस पर अधिकार जमाने हेतु छात्रों को प्रेरित कराना.

PSO (Program specific outcome)–

1. छात्रों को हिंदी साहित्य और उसमें प्रतिबिंबित भाषाओं के विविध प्रवाह, रचना और साहित्यकारों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी.
2. छात्रों को समाज और संस्कृति की ओर देखने का नया दृष्टिकोन प्राप्त होगा.
3. छात्र उचित, प्रभावी, कौशलपूर्ण भाषा का प्रयोग करने में सक्षम होंगे,
4. छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य के विविध आयामों के साथ अनुसंधान के विविध अवसर प्राप्त होंगे.
5. छात्र सृजनशील लेखन में सिद्धहस्त होंगे.
6. विविध शाखाओं के छात्रों में हिंदी भाषा का प्रयोग ,भारतीय संस्कृति, साहित्य, इतिहास, संपादन संहिता का ज्ञान प्राप्त होगा.
7. नेट/सेट राजभाषा अधिकारी तथा अन्य प्रतियोगिता का प्रशिक्षण प्राप्त होगा.
8. प्रस्तुत पाठयक्रम उज्जवल गौरवशाली भारत के भविष्य के लिए सृजनात्मक, संवेदनशील, आदर्श, सुशिक्षित, देशप्रेमी नागरिक बनाने में सहयोगी साबित होगा.

Duration –

Master of Arts in HINDI programmee shall be A FULLTIME COURSE OF TWO YEARS – 4 SEMESTERS duration with 22 credits per semester (total credits – 88)

ELIGIBILITY FOR ADMISSION –

ANY GRADUATE FROM RECOGNISED UNIVERSITY – HEI is eligible for admission for this course. The criteria for admission in as per the rules and regulations set from time to time by conserned departments, HEI, University, Government and other relavent statutary authorities.

MEDIUM OF INSTRUCTION :

The medium of instruction shall be HINDI. However, the students will have AN OPTION TO WRITE ANSWER – SCRIPTS IN HINDI.

EXAMINATION PATTERN –

The pattern of examination will be semester End Examination with internal assesement / evaluation.

7. SCHEME OF TEACHING AND EXAMINATION:

M. A. Programme Structure for Semester I and II

Semester - I											
Teaching Scheme						**Examination Scheme**					
Sr. No.	Theory (TH)				Practical (PR)	Semester - end Examination (SEE)			Internal Assessment (IA)		
	Course Type	No. of Lectures per Week	Hours	Credits		Paper Hours	Max	Min	Internal	Max	Min
1	MM 1	4	4	4		3	80	32	--	20	08
2	MM 2	4	4	4		3	80	32	--	20	08
3	MM 3	4	4	4		3	80	32	--	20	08
4	MM 4	2	2	2		2	40	16	--	10	04
5	ME --	4	4	4		3	80	32	--	20	08
6	RM	4	4	4		3	80	32	--	20	08
Total		22	22	22			440		--	110	
									SEE + IA: 440 + 110 = 550		

Semester - II												
Teaching Scheme							**Examination Scheme**					
Sr. No.	Theory (TH)				Practical (PR)		Semester - end Examination (SEE)			Internal Assessment (IA)		
	Course Type	No. of Lectures	Hours	Credits	Hrs	Credits	Paper Hours	Max	Min	Internal	Max	Min
1	MM 5	4	4	4			3	80	32	--	20	08
2	MM 6	4	4	4			3	80	32	--	20	08
3	MM 7	4	4	4	--	--	3	80	32	--	20	08
4	MM 8	2	2	2			2	40	16	--	10	04
5	ME --	4	4	4			3	80	32	--	20	08
6	OJT/FP	-	-	-	4	4	Certified Submission of Dissertation/ OJT Report/ Project Report	80	32	Viva-Voce/ Presentation	20	08
Total		18	18	18	4	4		440			110	
										SEE + IA: 440 + 110 = 550		
Semester I and II		40	40	40	4	4		880	-	SEE + IA: 880 + 220 = 1100		
Total credits required for completing. M.A. I: 44 credits												

MM: Major Mandatory - There will be FOUR mandatory courses for each semester.
ME: Major Elective (Student should opt for ANY ONE course from the group of elective courses/basket).
RM: Research Methodology - It is a mandatory course.
OJT/FP: On Job Training - Internship/Apprenticeship or Field Project: It is a mandatory course. **It should be completed during the period from the end of first semester to the end of second semester.**

NOTE: Separate passing is mandatory for both, Semester End Examination and Internal Evaluation/Assessment.

8. STRUCTURE OF PROGRAMME:

(Credit Distribution Structure for with Multiple Entry and Exit Options M.A.- I in HINDI

Year	Level	Sem	Major with Course Code (Credits)		RM	OJT / FP	Total Credits	Degree
			Mandatory	**Electives** (Choose **ONE** elective)				
I	6.0	Sem I	**Course Code:** **Course Name (Credits):** Example: MAU0325MML502G1: आधुनिक गद्य साहित्य (4) **Course Code:** **Course Name (Credits):** MAU0325MML502G2 : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा(4) **Course Code:** **Course Name (Credits):** MAU0325MML502G3 : हिंदी साहित्य का इतिहास (4) **Course Code:** **Course Name (Credits):** MAU0325MML502G4 : पटकथा लेखन (2)	**Course Code:** **Course Name (Credits):** Example: MAU0325MEL502G3: विशेष रचनाकार: भगवानदास मोरवाल (4) ***(** You may add according to your number of electives)***	**Course Code:** **Course Name (Credits):** Example: MAU0325RML502G : अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया (4)	--	22	PG Diploma (After 3 year Degree)
		Sem II	**Course Code:** **Course Name (Credits):** Example: MAU0325MML502H1: आधुनिक गद्य साहित्य (4) **Course Code:** **Course Name (Credits):** MAU0325MML502H2 : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (4) **Course Code:** **Course Name (Credits):** MAU0325MML502H3 :	**Course Code:** **Course Name (Credits):** Example: MAU0325MEL502H3: विशेष रचनाकार: कमलेश्वर (4) ***(** You may add according to your number of electives)***	--	**Course Code:** **Course Name (Credits):** OJT: On Job Training (Internship, Apprenticeship / FP (Field Project) (4) Example: MAU0325 OJT/FP P502H : ऑन जॉब ट्रेनिंग /	22	

			हिंदी साहित्य का इतिहास (4) **Course Code:** **Course Name (Credits):** MAU0325MML502H4 : लघुपट निर्माण(2)			फिल्ड प्रोजेक्ट (4)		
Cumulative Credits for PG Diploma			**28**	**8**	**4**	**4**	**44**	

9.COURSE CODE TABLE:

Note 1: add rows wherever necessary as per course requirement and kindly apply proper course codes. The 'Paper Number' are considered as 'course Numbers in New Scheme.

Note2: See the instructions below to prepare the Course Codes in NEP

M.A. I Sem and II

Semester No		Course code	Title of New Course
I	MM1	MAU0325MML502G1	आधुनिक गद्य साहित्य
I	MM2	MAU0325MML502G2	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
I	MM3	MAU0325MML502G3	हिंदी साहित्य का इतिहास
I	MM4	MAU0325MML502G4	पटकथा लेखन
I	ME1	MAU0325MEL502G1	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग
I	ME2	MAU0325MEL502G2	पत्रकारिता प्रशिक्षण और रोजगार के आयाम
I	ME3	MAU0325MEL502G3	विशेष रचनाकार: भगवानदास मोरवाल
I	ME4	MAU0325MEL502G4	प्राचीन तथा निर्गुण भक्तिकाव्य
I	RM	MAU0325RML502G	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया
II	MM5	MAU0325MML502H1	आधुनिक गद्य साहित्य
II	MM6	MAU0325MML502H2	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
II	MM7	MAU0325MML502H3	हिंदी साहित्य का इतिहास
II	MM8	MAU0325MML502H4	लघुपट निर्माण
II	ME5	MAU0325MEL502H1	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग
II	ME6	MAU0325MEL502H2	पत्रकारिता प्रशिक्षण और रोजगार के आयाम
II	ME7	MAU0325MEL502H3	विशेष रचनाकार: कमलेश्वर
II	ME8	MAU0325MEL502H4	सगुण भाक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य
II	OJT/FP	MAU0325 OJT/FP P502H	ऑन जॉब ट्रेनिंग / फिल्ड प्रोजेक्ट

(Note: Add rows as per course requirement and kindly apply proper couse codes.The Papers are considerd as Course in New Scheme.)

Equivalence:M.A. I Sem- I and II

Sem No.	Paper Code	Title of Old Paper	Sem No.	Credit	Course Code	Title of New Course.	Credit
I	DSC-1	अनिवार्य बीजपत्र–	I	4	MAU0325MML502G1	आधुनिक गद्य	4

		I प्राचीन तथा निर्गुण भक्तिकाव्य				साहित्य	
I	DSC-2	अनिवार्य बीजपत्र– I हिंदी साहित्य का इतिहास	I	4	**MAU0325MML502G2**	भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा	4
I	DSC-3	अनिवार्य बीजपत्र– I भाषाविज्ञान	I	4	**MAU0325MML502G3**	हिंदी साहित्य का इतिहास	4
I					**MAU0325MML502G4**	पटकथा लेखन	2
I	DSE-1	वैकल्पिक बीजपत्र– IV भाषा प्रौद्योगिकी– I (क)	I	4	**MAU0325MEL502G1**	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग	4
I	DSE-2	(ब) अनुवाद प्रौद्योगिकी–I	I	4	**MAU0325MEL502G2**	पत्रकारिता प्रशिक्षण और रोजगार के आयाम	4
I	DSE-3	(क) हिंदी कथा साहित्य–I	I	4	**MAU0325MEL502G3**	विशेष रचनाकार भगवानदास मोरवाल	4
I	DSE-4	(ड) हिंदी व्याकरण, मानक लेखन/मुद्रितशोधन– I	I	4	**MAU0325MEL502G4**	प्राचीन तथा निर्गुण भक्तिकाव्य।	4
I					**MAU0325RML502G**	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	4
II	DSC-5	अनिवार्य बीजपत्र– II सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य	II	4	**MAU0325MML502H1**	आधुनिक गद्य साहित्य	4
II	DSC-6	अनिवार्य बीजपत्र– II हिंदी साहित्य का	II	4	**MAU0325MML502H2**	भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा	4

		इतिहास					
II	DSC-7	अनिवार्य बीजपत्र–II भाषाविज्ञान	II	4	**MAU0325MML502H3**	हिंदी साहित्य का इतिहास	4
					MAU0325MML502H4	लघुपट निर्माण	2
II	DSE-5	वैकल्पिक बीजपत्र–IV भाषा प्रौद्योगिकी–II (क)	II	4	**MAU0325MEL502H1**	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग	4
II	DSE-6	(ब) अनुवाद प्रौद्योगिकी–II	II	4	**MAU0325MEL502H2**	पत्रकारिता प्रशिक्षण और रोजगार के आयाम	4
	DSE-7	(ख) हिंदी कथा साहित्य–II	II	4	**MAU0325MEL502H3**	विशेष रचनाकार: कमलेश्वर	4
	DSE-8	(ड) हिंदी व्याकरण, मानक लेखन/मुद्रितशोधन–II	II	4	**MAU0325MEL502H4**	सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य	4
					MAU0325 OJT/FP P502H	ऑन जॉब ट्रेनिंग / फिल्ड प्रोजेक्ट	4

11. Determination of CGPA, Grading and declaration of results:

Shivaji University has adopted 10 point Grading System as follows:

- **In each semester, marks obtained in each course (Paper) are converted to grade points:**
  - If the total marks of course are 100 and passing criteria is 40%, then use the following Table 1 for the conversion.
  - If total marks of any of the course are different than 100 (e.g. 50) and passing criterion is 40%, then marks obtained are converted to marks out of 100 as below:

$$Marks\ out\ of\ 100\ = \frac{Marks\ obtained\ by\ student\ in\ that\ course}{Total\ marks\ of\ that\ course} \times 100$$

and then grade points are computed using Marks out of 100 as per Table 1.

Table 1: Conversion of Marks out of 100 to grade point

Sr. No.	Marks Range out of 100	Grade point	Letter grade
1	80-100	10	O: Outstanding
2	70-79	9	A+: Excellent
3	60-69	8	A: Very Good
4	55-59	7	B+: Good
5	50-54	6	B: Above Average
6	45-49	5	C: Average
7	40-44	4	P: Pass
8	0-39	0	F: Fail
9	Absent	0	Ab: Absent

Table 2 : Conversion of Marks out of 50 to grade point (Passing: 20)

Sr. No.	Marks Range out of 50	Grade point	Letter grade
1	40-50	10	O: Outstanding
2	35-39	9	A+: Excellent
3	30-34	8	A: Very Good
4	28-29	7	B+: Good
5	25-27	6	B: Above Average
6	23-24	5	C: Average
7	20-22	4	P: Pass
8	0-19	0	F: Fail
9	Absent	0	Ab: Absent

- **Computation of Semester Grade Point Average (SGPA) :**

  Based on the grade points earned in each course in each semester, *Semester Grade Point Average (SGPA)* is computed as follows:

  The SGPA is the ratio of sum of the product of the number of credits with the grade points scored by a student in all the courses taken by a student in that semester and the sum of the number of credits of all the courses undergone by a student in that semester. The SGPA of the i^{th} semester is denoted by S_i. The formula is given by

$$SGPA\ of\ semester\ i = S_i = \frac{\sum_{j=1}^{k} c_j \times G_j}{\sum_{j=1}^{k} c_j}$$

  where c_j is the number of credit of j^{th} course , G_j is the grade points earned in the j^{th} course and k be the number of courses in i^{th} semester.

- **Computation of Semester Grade Point Average (SGPA) :**

Based on the SGPA of each semester, Cumulative Grade Point Average (CGPA) is computed as follows:

The CGPA is also calculated in the same manner taking into account all the courses undergone by a student over all the semesters of a programmed,

$$CGPA = \frac{\sum_{i=1}^{m} C_i \times S_i}{\sum_{i=1}^{m} C_i}$$

Where C_i is the total number of credits in i^{th} semester, S_i is the SGPA of i^{th} semester and m is the number of semesters in the programme.

- **Based on CGPA, final letter grade is assigned as below :**

Table 3: Final Cumulative Grade Point Average (CGPA) and Final Grade for course

Sr. No.	CGPA Range	Grade	Grade Descriptions
1	9.50-10.00	O	Outstanding
2	8.86-9.49	A+	Excellent
3	7.86-8.85	A	Very Good
4	6.86-7.85	B+	Good
5	5.86-6.85	B	Above Average
6	4.86-5.85	C	Average
7	4.00-4.85	P	Pass
8	0.00-3.99	F	Fail
9	Nil	AB	Absent

Remarks :

1. B+ is equivalent to 55% marks and B is equivalent to 50 % marks. The final later grade is based on the grade points in each course of entire programme and not on marks obtained each course of entire programme.
2. The SGPA and CGPA shall be round off to two decimal points.

12. NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING :

A) FOR FOUR CREDITS: Total Marks: 80

Note: Following pattern is given by taking nature of courses in languages and Social Sciences into consideration.

Question No. 1: Multiple choice questions (10 MCQs) (02 marks each) 20 Marks

The patterns are given below:

Pattern 1: Plain question with 4 alternatives. (**6 MCQs for 12 Marks**)

Pattern 2: Match the following with four alternatives (**2 MCQs for 4 Marks**)

Group 1	Group 2
1.	a)
2.	b)
3.	c)
4.	d)

A) 1-a, 2-b, 3-c, 4-d B) 1-b, 2-a, 3-c, 4-d C) 1-c, 2-b, 3-a, 4-d D) 1-d, 2-b, 3-c, 4-a

Pattern 3: Give Two Statements (**2 MCQs for 4 Marks**)

1. 2.

Which is the correct option? (or Which is the incorrect option)

A) Statement 1 is True/Correct and Statement 2 is False/Incorrect

B) Statement 2 is True/Correct and Statement 1 is False/Incorrect

C) Both Statements are True/Correct D) Both Statements are False/Incorrect

Question No. 2: Short Notes (Any four out of six) (Answer Limit: 150-200 Words)

(Preferred for Social Sciences) 20 Marks

OR

Question No. 2: Short Answer Questions (Any Two out of Four) (Answer Limit: 300-400 Words)

(Preferred for Languages) 20 Marks

Question No. 3: Long Answer Questions (Any Two out of Four (Answer Limit: 300-400 Words)

(Preferred for Social Sciences) 20 Marks

OR

Que. No. 3: Long Answers Questions (Any One out of Two (Answer Limit: 600-800 Words)

(Preferred for Languages) 20 Marks

Que. No. 4: Long Answer question (Any One out of Two) (Answer Limit: 600 – 800 Words)

(Common for both Social Sciences and Languages) 20 Marks

B) FOR TWO CREDITS: Total Marks: 40

Note: Following pattern is given by taking nature of courses in languages and Social Sciences into consideration.

Que. No. 1: Multiple choice questions (FIVE) (02 marks each) 10 Marks

The patterns are given below:

Pattern 1: Plain question with 4 alternatives. (**3 MCQs for 6 Marks**)

Pattern 2: Match the following with four alternatives (**1 MCQs for 2 Marks**)

Group 1	Group 2
1.	a)
2.	b)
3.	c)
4.	d)

A) 1-a, 2-b, 3-c, 4-d B) 1-b, 2-a, 3-c, 4-d C) 1-c, 2-b, 3-a, 4-d D) 1-d, 2-b, 3-c, 4-a

Pattern 3: Give Two Statements (**1 MCQs for 2 Marks**)

1. 2.

Which is the correct option? (or Which is the incorrect option)

A) Statement 1 is True/Correct and Statement 2 is False/Incorrect

B) Statement 2 is True/Correct and Statement 1 is False/Incorrect

C) Both Statements are True/Correct D) Both Statements are False/Incorrect

Que. No. 2: Short notes (Any Two out of Four) (Answer Limit: 150-200 Words)

(For Social Sciences) 10 Marks

OR

Que. No. 2: Short Answer Question (Any One out of Two) (Answer Limit: 300-400 Words)

(For Languages) 10 Marks

Que. No. 3: Long Answer Questions (Any One out of Two (Answer Limit: 600-800 Words)

(Common for both Social Sciences and Languages) 20 Marks

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र- आधुनिक गद्य साहित्य

प्रकार - MM

कोर्स न.- MM1

कोर्स कोड - **MAU0325MML502G1**

कोर्स क्रेडीट - 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक :- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक : - 20

कुल अंक :-100

उद्देश्य-

1.हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं से अवगत कराना.

2.हिंदी उपन्यासो का विशेष अध्ययन कराना.

3. नाटक ले स्वरूप, संरचना और मंचीयता से परिचय कराना. एवं नाट्य अभिनय कौशल को विकसित कराना.

4. हिंदी कहानी तथा हिंदी आत्मकथा विशेष से परिचित कराना.

पाठ्यपुस्तक -

1. 'गोदान' (उपन्यास) - प्रेमचंद, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
2. 'स्कंदगुप्त' (नाटक) - जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. 'हादसे' (आत्मकथा) - रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'कथा मंजरी' (कहानी-संग्रह) - सं. महेन्द्र कुलश्रेष्ठ, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching** **Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I Modul -I	**प्रेमचंद** और गोदान का परिचय.- उपन्यास के तत्वो के	15	1

	आधार पर **'गोदान'** का अध्ययन.- **'गोदान'** में चित्रित समस्या.		
विभाग –2 Modul –II	हिंदी नाटककार जयशंकर प्रसाद और **'स्कंधगुप्त.'**, स्कंधगुप्त और ऐतिहासिकता.नाटक के तत्वो आधार पर विवेच्य नाटक का अध्ययन	15	1
विभाग –3 Modul –III	रमणिका गुप्ता जीवन परिचय, **'हादसे'** आत्मकथा का अध्ययन- स्त्री संघर्ष की गाथा की दृष्टि से समीक्षा.	15	1
विभाग – Modul –IV	**'कथामंजरी'** कहानी संग्रह में मूल्यो का सम्प्रेषण-पठित रचना का सामान्य परिचय- हिंदी कहानी और युग बोध की परख.	15	1

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास- डॉ. सुरेश सिन्हा।
2. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा- डॉ. रामदरश मिश्र।
3. हिंदी उपन्यासों के सौ वर्ष- सं. डॉ. रामदरश मिश्र।
4. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार- डॉ. द्वारिका सक्सेना।
5. उपन्यास स्थिति और गति- डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर।
6. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष- डॉ. अर्जुन चव्हाण- वाणी प्रकाशन.
7. गोदान: संवेदना और शिल्प- डॉ. चंद्रशेखर कर्ण।
8. प्रेमचंद के उपन्यासों में चित्रित समस्याएँ- डॉ. एम. विमला।
9. नाट्यालोचन- डॉ. माधव सोनटक्के।
10. नाटककार जयशंकर प्रसाद- सं. सत्येनकुमार तनेजा।
11. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।

12. प्रसाद के नाटक: रचना और प्रक्रिया- डॉ. जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव
13. हिंदी नाटक- डॉ. बच्चन सिंह।
14. हिंदी आत्मकथा: स्वरूप एवं साहित्य- कमलेश सिंह।
15. समकालीन नारी जीवन और हिंदी आत्मकथा- डॉ. क्रांति गायकवाड, अन्नपूर्णा प्रकाशन.
16. रमणिका गुप्ता रचनावली (14 खंड)- सं. भारत यायावर।
17. रमणिका गुप्ता के उपन्यासों में नारी- आदिनाथ भारूड
18. हिंदी कहानी का विकास- डॉ. देवेश ठाकूर
19. हिंदी कहानी : संरचना और संवेदना- डॉ. साधना शहा।
20. समकालीन हिंदी कहानी- डॉ. पुष्पलाल सिंह।
21. आधुनिक हिंदी कहानी- डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल।

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन- कुल अंक 80

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा,भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र- भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रकार - MM

कोर्स न.- MM2

कोर्स कोड - **MAU0325MML502G2**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य-

1.भाषा की संकल्पना ,स्वरूप तथा विशेषता का परिचय प्राप्त कराना.

2.स्वान और रूप विज्ञान की जानकारी प्राप्त कराना.

3.भाषा विज्ञान के स्वरूप,अंग तथा नई दिशाओ से अवगत कराना

4.वाक्य विज्ञान की संकल्पना,स्वरूप,वाक्य विश्लेषण और प्रकारो से परिचित कराना

.विभाग Modul	इकाई Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hour	श्रेयांक Credit
विभाग –I Modul -I	भाषा स्वरूप,परिभाषा और विशेषता,भाषाविज्ञान स्वरूप,परिभाषा ,भाषा परिवर्तन के कारण, भाषाविज्ञान के अंग	15	1

	भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशा.		
विभाग –2 Modul –II	स्वनिम विज्ञान परिभाषा ,स्वरूपऔर वर्गीकरण.स्वनिम के भेद, हिंदी की स्वनिम व्यवस्था.	15	1
विभाग –3 Modul –III	रुपीम विज्ञान स्वरूप और परिभाषा, रुपीम के भेद,रूप परिवर्तन के कारण और दिशा.	15	1
विभाग – Modul –IV	वाक्य विज्ञान संकल्पना और स्वरूप,वाक्य विश्लेषण और प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण.	15	1

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी – भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद.
2. डॉ. भोलानाथ तिवारी – आधुनिक भाषा विज्ञान .
3. डॉ. अंबादस देशमुख - भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम.
4. डॉ. उदयनारायण तिवारी – हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, भारती भंडार, प्रयाग.
5. डॉ. अंबाप्रसाद सुमन – भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग.
6. डॉ. भोलानाथ तिवारी : हिंदी भाषा की लिपि संरचना.
7. डॉ. सुधाकर कलावडे – भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा.
8. डॉ. हणमंतराव पाटिल – भाषा और हिंदी भाषा, विद्या प्रकाशन, कानपुर.
9. तेजपाल चौधरी – भाषा और भाषा विज्ञान,विकास प्रकाशन, कानपुर.
10. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली.
11. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा - हिंदी भाषा का विकास.

12. डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – भाषा विज्ञान के सिद्धांत, निराली प्रकाशन पुणे.

कुल अंक 100(80 **प्रश्नपत्रिका,** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	**20**
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	**20**

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र - **हिंदी साहित्य का इतिहास**

प्रकार- MM

कोर्स न.- MM3

कोर्स कोड - **MAU0325MML502G3**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य :-

1. साहित्येतिहास के लेखन की आवश्यकता तथा महत्त्व से परिचित कराना.
2. आदिकालीन परिवेश से एवं साहित्य का परिचय कराना।
3. मध्यकालीन परिवेश ,विविध काव्यधाराओं से ,रचनाकारों से परिचित कराना।
4. रीतिकालीन गद्य रचनाओं का परिचय कराना।

.विभाग Modul	इकाई Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hour	श्रेयांक Credit
विभाग –I Modul -I	**साहित्येतिहास तथा आदिकाल** 1 हिंदी सहित्य का इतिहास महत्त्व, लेखन के विविध प्रयास, काल विभाजन, सीमा निर्धारण। 2 आदिकाल की पृष्ठभूमि सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक । 3 आदिकालीन साहित्य का सामान्य परिचय -सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य	15	1

	4 संक्रातिकाल – नामकरण, महत्त्व एवं कवि।		
विभाग –2 Modul –II	**पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) निर्गुण भक्ति काव्यधारा** 1. भक्तिकाल की पृष्ठभूमि – सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक। 2 निर्गुण भक्ति काव्यधाराओं (ज्ञानाश्रयी, प्रेमाश्रयी) का सैद्धांतिक परिचय। 3 निर्गुण ज्ञानाश्रयी काव्यधारा के प्रमुख संत कवि तथा रचनाएँ। 4 निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा के प्रमुख सूफी कवि तथा रचनाएँ।	15	1
विभाग –3 Modul – III	**पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) सगुण भक्ति काव्यधारा** 1 सगुण भक्ति काव्यधारा (कृष्ण भक्ति, राम भक्ति) सैद्धांतिक पक्ष। 2 कृष्णभक्त कवि–अष्टछाप तथा संप्रदाय निरपेक्ष की रचनाएँ कृष्णभक्ति काव्यधारा की विशेषताएं । 3 रामभक्ति काव्य की विशेषताएं, रामभक्ति काव्यधारा के कवि तुलसीदास । 4 रामकृष्ण काव्येत्तर काव्य, भक्तित्तेर कवि एवं रचनाएँ।	15	1
विभाग – Modul –IV	**उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल)** 1. रीतिकालीन पृष्ठभूमि –सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक । 2. रीतिकालीन काव्यधाराएँ –प्रवृतियाँ। 3. रीतिकालीन प्रमुख कवि एवं रचनाएँ। 4. रीतिकालीन गद्य साहित्य I	15	1

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास , आ. शुक्ल रामचंद्र , नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी ,2005
2. हिंदी साहित्य का इतिहास , डॉ नगेन्द्र (संपा)नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,दिल्ली,प्र सं 1973
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास , डॉ सिंह बच्चन ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,दिल्ली 1998
4. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास , डॉ राजे सुमन ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली 2002
5. हिंदी साहित्य की भूमिका , आ. .द्विवेदी हजारीप्रसाद ,हिंदी ग्रंथ रत्नाकर ,बंबई ,1947
6 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, डॉ. चतुर्वेदी रामस्वरूप ,लोकभारती इलाहबाद ,1998
7 हिंदी साहित्य : बीसवी शताब्दी, आ. वाजपेयी नंददुलारे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

8 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, डॉ. चतुर्वेदी रामस्वरुप, लोकभारती इलाहाबाद,
9 हिंदी निबंध और निबंधकार, श्री. ठाकुर प्रसाद सिंह, हिंदी पुस्तक एजन्सी, बनारस,
10 हिंदी गद्य साहित्य, डॉ. तिवारी रामचंद्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
11 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. वर्मा रामकुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, डॉ. गुप्त गणपतिचंद्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
13 हिंदी साहित्य: युग और प्रवृत्तियां, डॉ. शर्मा शिवकुमार, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 2005
14 हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां, डॉ. प्रसाद जयकिशन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका**, 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र- पटकथा लेखन

प्रकार- MM

कोर्स न.- MM4

कोर्स कोड - **MAU0325MML502G4**

कोर्स क्रेडीट- 2

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 40

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 10

कुल अंक:-50.

उद्देश्य :

1. पटकथा लेखन निर्माण से परिचित कराना.

2. पटकथा लेखन के प्रकारों से परिचित कराना.

3. दृश्य के माध्यम से कथा को विकसित करने की क्षमता निर्माण कराना.

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I Modul -I	पटकथा का स्वरूप,पटकथा के मूल तत्त्व,पटकथा की विषयवस्तु, पटकथा का द्वंद्व, पटकथा के प्रकार.	15	1
विभाग –2	पटकथा लेखन,	15	1

Modul –II	संवाद लेखन, लघुपट रूपांतरण, दृश्यीकरण/शुटिंग स्क्रिप्ट.		

संदर्भ ग्रंथ–

1. पटकथा लेखन: एक परिचय मनोहर शाम जोशी-- राजकमल प्रकाशन दिल्ली.
2. पटकथा- मन्नू भंडारी –राजकमल प्रकाशन दिल्ली
3. मीडिया लेखन- सुमित मोहन-वाणी प्रकाशन, दिल्ली.
4. मीडिया लेखन –रुपचंद गौतम- रुपचंद गौतम- नटराज प्रकाशन, दिल्ली.

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन– कुल अंक **40**

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 3 प्रश्न 06 अंक ब) उचित मिलान 1 प्रश्न 02 अंक क) सही गलत 1 प्रश्न 02 अंक	10
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो) उत्तर सीमा 150-200 शब्द	10
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन: **10 अंक** (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा,भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र - अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग

प्रकार- ME

कोर्स न.- ME1

कोर्स कोड - **MAU0325MEL502G1**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य-

1.आदर्श अनुवाद की संकल्पना से परिचित कराना.
2.अनुवाद के सिद्धांत एवं प्रकृति का परिचय कराना.
3.अनुवाद की उपयोगिता तथा महत्त्व से अवगत कराना.
4.अनुवाद के साधनो तथा अनुवादक के गुणो से अवगत होना.
5.अनुवादक की योग्यता और गुणो से परिचित होना.
6.अनुवाद मूल्यांकन का विकास करना.

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching** **Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I Modul -I	अनुवाद अर्थ, अवधारणा, संकल्पना. अनुवाद विज्ञान और कला. अनुवाद शिल्प तथा पुनसर्जन	15	1

विभाग –2 Modul –II	अनुवाद प्रक्रिया. अनुवाद के तत्त्व. अनुवाद और रुपांतरण, लिप्यन्तरण, लिप्यकन.	15	1
विभाग –3 Modul –III	अनुवाद का महत्त्व और अनुवादक के गुण, अनुवाद की उपयोगिता, अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत.	15	1
विभाग – Modul –IV	बहुभाषी देश में अनुवाद इंडस्ट्री, सांस्कृतिक संचरण और अनुवाद, अनुवाद में सांस्कृतिक संवाद	15	1

संदर्भ ग्रंथ –

1.अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ– डॉ. भोलानाथ तिवारी.

2.अनुवाद कला,सिद्धांत और प्रयोग– डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया.

3.अनुवाद चिंतन- प्रो. (डॉ.) अर्जुन चव्हाण– अमन प्रकाशन, कानपुर.

4.अनुवाद समस्याएँ एवं समाधान प्रो. (डॉ.) अर्जुन चव्हाण–अमन प्रकाशन, कानपुर.

5.प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान– डॉ. मनोहर सराफ, डॉ. शिवकांत गोस्वामी.

6.अनुवाद प्रक्रिया– डॉ. रीतारानी पालीवाल.

7.अनुवाद कला : कुछ विचार आनंद प्रकाश खेमानी.

8.काव्यानुवाद की समस्याएँ महेंद्र चतुर्वेदी, डॉ. ओमप्रकाश–.

9.अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ सं. रविंद्र श्रीवास्तव, डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी–.

10.वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ डॉ. भोलानाथ तिवारी.

11.डॉ. भोलानाथ तिवारी–अनुवाद कला.

12.डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू–अनुवाद मीडिया.

13 डॉ. के. पी. शहा, अनुवाद स्वरूप एवं सिद्धांत– फड़के प्रकाशन, कोल्हापुर.

14 डॉ. आदिनाथ सोनटक्के- अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग-चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर

15. अनुवाद अनुसृजन – संपा. ए. अरविंदाक्षन.

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	20

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र - पत्रकारिता प्रशिक्षण और रोजगार के आयाम

प्रकार- ME

कोर्स न.- ME2

कोर्स कोड - MAU0325MEL502G2

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य–

1. पत्रकारिता संकल्पना,स्वरूप,उद्देश्य, विकास और प्रक्रिया से अवगत कराना.
2. पत्रकारिता के रूप तथा भेद की जानकारी देना.
3. समाचार लेखन,सिद्धांत और गुणो से परिचित करना.
4. समाचार लेखन के तत्त्व, मूल्य और प्रकारो का परिचय करना.

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I Modul -I	पत्रकारिता संकल्पना और स्वरूप. पत्रकारिता उद्देश्य एवं पत्रकारिता की विशेषता. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास	15	1
विभाग –2 Modul –II	पत्रकारिता के विभिन्न भेद.समाचार लेखन कला समाचार लेखन,	15	1

	सिद्धान्त.समाचार लेखन के गुण-दोष.		
विभाग –3 Modul –III	समाचार के स्रोत एवं समाचार मूल्य.समाचार लेखन के तत्त्व.समाचार लेखन के प्रकार.	15	1
विभाग – Modul –IV	संपादक एवं संवाददाता की योग्यता,श्रेणी और पद्ध्त कार्य पत्रकारिता का प्रबंधन, प्रशासनिक व्यवस्था. विक्री तथा वितरण व्यवस्था.	15	1

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

संदर्भ ग्रंथ-.

1. जनसंचार और पत्रकारिता विविध आयाम-ओमप्रकाश शर्मा-निराली प्रकाशन,पुणे.
2. हिंदी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ- डॉ. विनोद गोदरे-वाणी प्रकाशन.
3. समकालीन पत्रकारिता मूल्यांकन और मुद्दे- राजकिशोर- वाणी प्रकाशन.
4. मीडियाकालीन हिंदी:स्वरूप और सम्भावनाये प्रो.डॉ अर्जुन चव्हाण- वाणी प्रकाशन.
5. हिंदी की सर्वोदय पत्रकारिता-मृदुला गर्ग-विद्या प्रकाशन कानपुर.
6. रेडीओ और दूरदर्शन की पत्रकारिता-डॉ. हरिमोहन-तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली.
7. पत्रकारिता: विविध आयाम-डॉ. राजकुमार रानी- जयभारती प्रकाशन- इहालाबाद.
8. प्रसार भारती और प्रसार नीति-सुधीर पाचौरी- वाणी प्रकाशन.
9. मीडिया एक अंतर्यात्रा-डॉ.स्मिता मिश्र-मंजुली प्रकाशन दिल्ली.
10. हिंदी पत्रकरिता और जनसंचार-डॉ. आलोक दत्त ठाकूर- वाणी प्रकाशन.

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न	20

	04 अंक	
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र- विशेष रचनाकार- भगवानदास मोरवाल

प्रकार- ME

कोर्स न.- ME3

कोर्स कोड - **MAU0325MEL502G3**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य :

1.विशेष रचनाकार के व्यक्तित्व से परिचित कराना।
2.रचनाकार के साहित्यिक प्रदेय एवं सामाजिक दायित्व से परिचित कराना।
3.रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन तथा मूल्यांकन से अवगत कराना।
4.रचनाकार तथा उनकी निर्धारित रचनाओं का विशेष अध्ययन कराना।
5.रचनाकार तथा उनकी रचनाओं का वर्तमानकालीन महत्त्व एवं प्रासंगिकता से अवगत कराना।

पाठ्यपुस्तक -

1. 'काला पहाड' (उपन्यास) - भगवानदास मोरवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 'वंचना' (उपन्यास) - भगवानदास मोरवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. 'शकुंतिका' (उपन्यास) - भगवानदास मोरवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'दस प्रतिनिधि कहानियाँ' (कहानी-संग्रह) - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching Hour**	**श्रेयांक** **Credit**

विभाग –I Modul -I	भगवानदास मोरवाल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व। **'काला पहाड'** का समीक्षा के मानदंडो के आधार पर विवेचन. **'काला पहाड'** में चित्रित समस्या	15	1
विभाग –2 Modul –II	भगवानदास मोरवाल व्यक्तित्व एवं कृतित्व। **'वंचना'** उपन्यास का समीक्षा के मानदंड के आधार पर विवेचन. **'वंचना'** में चित्रित समस्या.	15	1
विभाग –3 Modul –III	भगवानदास मोरवाल व्यक्तित्व एवं कृतित्व। **'शकुन्तिका'** उपन्यास का समीक्षात्मक विवेचन. **'शकुन्तिका'** उपन्यास में चित्रित समस्या.	15	1
विभाग – Modul –IV	भगवानदास मोरवाल व्यक्तित्व एवं कृतित्व। **'दस प्रतिनिधि कहानिया'** का समीक्षात्मक विवेचन. **'दस प्रतिनिधि कहानिया'** चित्रित समस्यां.	15	1

संदर्भ ग्रंथ:

1. संपा. डॉ. मधु खराटे- उपन्यासकार भगवानदास मोरवाल- विद्या प्रकाशन, कानपुर.
2. प्रो. पूनम सिन्हा- हिंदी उपन्यास : प्रतिरोध का आख्यान- शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।
3. प्रो. (डॉ.) अर्जुन चव्हाण- समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष- वाणी प्रकाशन.
4. संपा. डॉ. लोकेश कुमार गुप्ता- लोकमन का सिरजनहार : भगवानदास मोरवाल- समीक्षा पब्लिकेशन (शिल्पायन), गांधीनगर, दिल्ली.
5. संपा. डॉ. नैया, उपन्यास का लोकधर्म- श्रीसाहित्य प्रकाशन- शाहदरा, दिल्ली.

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन–

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	**20**

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र- प्राचीन तथा निर्गुण भक्तिकाव्य

प्रकार- ME

कोर्स न.- ME4

कोर्स कोड - **MAU0325MEL502G4**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य –

1.प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी कृतियों से परिचित कराना ।
2.युगीन परिवेश तथा काव्यप्रवृतियों से परिचय कराना ।
3.प्राचीन तथा मध्ययुगीन प्रमुख कवियों की काव्यकृतियों का सूक्ष्म अध्ययन करना ।
4.पठित कवि तथा उनकी काव्य कृतियों के वर्तमान कालीन महत्त्व से परिचित कराना ।

पाठ्यपुस्तक –

1. 'पृथ्वीराज रासो: कवि चंदबरदायी' – सं. आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
2. 'विद्यापति की पदावली: कवि विद्यापति – सं. श्री. रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटना।
3. 'कबीर ग्रंथावली' – कबीर – सं. रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, छ. सं. 2007।
4. 'पद्मावत' – कवि जायसी – सं. रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching** **Hour**	**श्रेयांक** **Credit**

विभाग –I Modul -I	**कवि चंदबरदायी** – व्यक्तित्व एवं कृतित्व कवि चंदवरदायी कालीन परिस्थितियां, काव्य प्रवृत्तियाँ **पृथ्वीराज रासो** – (अध्ययनार्थ) बानवेध समय	15	1
विभाग –2 Modul –II	**विद्यापति की पदावली** : कवि विद्यापति, संपादक – श्री. रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटना, 1965 कवि विद्यापति –व्यक्तित्व एवं कृतित्व. कवि विद्यापतिकालीन परिस्थितियां, काव्य प्रवृत्तियां विद्यापति की पदावली – (अध्ययनार्थ) 1. नोंक–झोंक (पद) 2. विरह (पद)	15	1
विभाग –3 Modul –III	पाठ्यपुस्तक : **कबीर ग्रंथावली – कबीर, संपादक –रामकिशोर शर्मा**,लोकभारती प्रकाशन,इलाहबाद, छ.सं. 2007 पाठयविषय :- कबीर– व्यक्तित्व एवं कृतित्व कबीर कालीन परिस्थितियां, काव्य प्रवृत्तियां, निर्गुण ज्ञानाश्रयी काव्यधारा:स्वरूप कबीर ग्रंथावली –	15	1

	(अध्ययनार्थ) पद क्रमांक 52, 92, 93, 99, 111, 113, 189, 238, 243, 252, 274, 317, 333, 442, 457.		
विभाग – Modul –IV	पाठ्यपुस्तक : **पद्मावत – कवि जायसी, संपादक – रामचंद्र शुक्ल,**नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी. पाठयविषय : जायसी – व्यक्तित्व एवं कृतित्व जायसी कालीन परिस्थितियां, काव्य प्रवृत्तियाँ, निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा : स्वरूप पद्मावत – (अध्ययनार्थ) 1. पद्मावती गोरा-बादल संवाद खंड 2. गोरा-बादल युद्ध खंड	15	1

संदर्भ ग्रंथ-

1. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य- डॉ. नामवर सिंह – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, व्दि. सं. 2007.
2. भक्ति आंदोलन और लोकसंस्कृति- डॉ. कुंवरपाल सिंह – अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2002
3. विद्यापति- डॉ. शिवप्रसाद सिंह –लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद. 13 वा. सं. 2002.
4. विद्यापति एक अध्ययन- डॉ. रणधीर श्रीवास्तव –भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली 1991.
5. विद्यापति ठाकुर डॉ. उमेश मिश्र – हिंदुस्थान एकेडमी, इलाहाबाद, तृ. सं. 1960.

6. विद्यापति- डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित - दिव्या प्रकाशन, ग्वालियर.
7. कबीर ग्रंथावली- आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी (संपा.) नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी, 1954.
8. कबीर ग्रंथावली सटीक- डॉ. गोविंद त्रिगुणायत -
9. संत कबीर- डॉ. रामकुमार वर्मा -संत भवन प्रा. लि. इलाहाबाद, नवम प्रकाशन, 1999.
10. कबीर मीमांसा डॉ. रामचंद्र तिवारी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002.
11. मध्यकालीन काव्यधाराएं एवं प्रतिनिधि कवि- डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र - हरियाना साहित्य अकादमी, चंडीगढ 1989.
12. कबीर एक नई दृष्टि- डॉ. रघुवंश - लोकभारती प्रकाशन, तृ. सं. 2002.
13. संत कबीर व्यक्तित्व एवं रचनाएँ- डॉ. मो. मजिदमिया -जी. एस. पब्लिशर, शाहदरा, दिल्ली-32.
14. जायसी और उनका साहित्य संसार- आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी दिल्ली, 1959.
15. जायसी ग्रंथावली- डॉ. राजनाथ शर्मा (संपा.) - विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, च. सं . 1971.
16. जायसी एक अध्ययन- डॉ. रणधीर श्रीवास्तव भारतीय ग्रंथ निकेतन, 1988.
17. जायसी (अलोचनात्मक अध्ययन)- भारतभूषण 'सरोज' - विनोद पुस्त मंदिर, आगरा, नवम सं . 1971.
18. कबीर के नारी दर्शन की प्रासंगिकता डॉ. बिरोदेवी कृष्ण रमोत्रा - अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर, प्रथम संस्करण - 2017.

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा,भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र- **अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया**

प्रकार- RM

कोर्स न.- RM

कोर्स कोड - **MAU0325RML502G**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य :-

1. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया से छात्रों को अवगत कर उनमें अनुसंधान कार्य के प्रति रूचि उत्पन्न करना |
2. अनुसंधान कार्य के लिए छात्रों को सक्षम बनाते हुए उनकी शोध दृष्टि को विकसित करना |
3. छात्रों के अध्ययन, विवेचन, विश्लेषण एवं निष्कर्ष स्थापित करने की क्षमता का विकास करना |
4. अनुसंधान की पद्धतियों से परिचित कर शोध प्रबंध लेखन और शोध नैतिकता से अवगत कराना |
5. अनुसंधान कार्य में आई.सी.टी. (सूचना और संचार प्रौदयोगिकी) के अनुप्रयोग से अवगत करना |
6. हिंदी साहित्य के अनुसंधान कार्य की स्थिति एवं संभावनाओं से परिचित करना |

अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण |
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी./संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग |
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा |
4. अतिथियों एवं विशषज्ञों के व्याख्यान |
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों से छात्रों का परिचय |
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन |

विभाग **Modul**	इकाई **Topic**	अध्यापन तासिका **Teaching Hour**	श्रेयांक **Credit**
विभाग –I Modul -I	अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप | अनुसंधान के प्रयोजन | अनुसंधान के प्रकार : साहित्यिक अनुसंधान, साहित्येतर अनुसंधान | अनुसंधान कर्ता के गुण | शोध निर्देशक के गुण |	15	1
विभाग –2 Modul –II	अनुसंधान के मूलतत्व, शोध और आलोचना | अनुसंधान के चरण – विषय का निर्वाचन, सामग्री संकलन एवं अध्ययन, समस्या की पहचान, तर्क पद्धति का निर्वाहन (तथ्यों का अवलोकन, तथ्यों का वर्गीकरण एवं सारणीयन), प्रश्नावली, साक्षात्कार, सामाजिक सर्वेक्षण, विवेचन, निष्कर्ष, स्थापना | अनुसंधान की पद्धतियाँ – वर्णनात्मक, तुलनात्मक, ऐतिहासिक | शोध नैतिकता |	15	1

विभाग **Modul**	इकाई **Topic**	अध्यापन तासिका **Teaching Hour**	श्रेयांक **Credit**

विभाग –III Modul -III	शोध प्रबंध - शीर्षक निर्धारण | शोध कार्य का विभाजन – अध्याय – उपशीर्षक और अनुपात | शोध रुपरेखा, प्रस्तावना,भूमिका लेखन | आधार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची, संदर्भ उल्लेख, संदर्भ की शैली, परिशिष्ट, टंकन और वर्तनी सुधार |	15	1
विभाग –IV Modul –IV	अनुसंधान कार्य में आई.सी.टी.(सूचना और संचार प्रौदयोगिकी) का अनुप्रयोग | इंटरनेट का अनुसंधान कार्य में प्रयोग – ई-बुक्स, ई-पत्रिका की खोज, शोध के लिए गूगल स्कॉलर्स का प्रयोग, शोध साहित्य की ऑनलाइन खोज | अनुसंधान की उपयुक्तता एवं महत्व | हिंदी साहित्य के अनुसंधान कार्य की स्थिति एवं संभावनाएँ |	15	1

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन–

कुल अंक 80

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) बहुविकल्पीय 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान करे (2 प्रश्न)	20

	04 अंक क) सही गलत का निर्णय करे (2 प्रश्न) 04 अंक	
2.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	लघुत्तरी प्रश्न (पांच में दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन : **20** अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

संदर्भ ग्रंथ :-

1) शोध प्रविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

2) साहित्य सिद्धांत और शोध – डॉ. आनन्दप्रकाश दीक्षित, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली |

3) अनुसंधान : एक विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे |

4) हिंदी अनुसंधान : वैज्ञानिक पद्धतियाँ – डॉ. कैलाशनाथ मिश्र, विनय प्रकाशन, कानपुर |

5) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया – डॉ. मधु खराटे, डॉ. शिवाजी देवरे, विद्या प्रकाशन, कानपुर |

6) अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया – एस. एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

7) अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, नेशनल पब्लिशिंग नई दिल्ली |

8) अनुसंधान का विवेचन – डॉ. उदयभानु सिंह, वागीश्वरी प्रकाशन, जौनपुर |

9) शोध प्रविधि – डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, हरियाणा |

10) हिंदी शोध तंत्र की रुपरेखा – डॉ. मनमोहन सहगल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर |

11) शोध प्रविधि : अध्ययन दृष्टि – डॉ. गंगेश दीक्षित, विनय प्रकाशन, कानपुर |

12) आधुनिक शोध प्रणाली – दीपिका भारद्वाज, रितु पुब्लिकेशन्स, जयपुर

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र- आधुनिक गद्य साहित्य
प्रकार- MM

कोर्स न.- MM5

कोर्स कोड - **MAU0325MML502H1**

कोर्स क्रेडीट- 4
सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80
अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20
कुल अंक:-100.

- **उद्देश्य :-**
  - हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं से अवगत कराना।
  - हिंदी उपन्यासों का परिचय कराना और उपन्यासों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
  - नाटक के स्वरूप, संरचना, रंगमंच से परिचय कराना एवं नाट्याभिनय कौशल को विकसित कराना।
  - समकालीन दलित स्त्री, आदिवासी, किसान आदि विमर्श से परिचित कराना।
  - कथेतर साहित्य के उद्भव, विकास एवं विभिन्न रूपों से परिचित कराना।

पाठ्यपुस्तक -

1. 'धरती धन न अपना' (उपन्यास) - जगदीशचंद्र, आधार प्रकाशन, पंचकुआ, हरियाणा।
2. 'काला पत्थर' (नाटक) - सुरेश शुक्ल 'चंद्र', अमन प्रकाशन, कानपुर।
3. 'माटी की मूरतें' (रेखाचित्र) - रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'श्रेष्ठ निबंध' (निबंध-संग्रह) - सं. डॉ. आलोक गुप्त, शिक्षा भारती प्रकाशन, दिल्ली।

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I	**'धरती धन न**	15	1

Modul -I	**अपना** ' (उपन्यास) - जगदीशचंद्र, जगदीशचंद्र का जीवन परिचय और कृतित्व। दलित जीवन की समस्याएँ। समीक्षा के मानदंडों के आधार पर विवेच्य रचना का अध्ययन।		
विभाग –2 Modul –II	**'काला पत्थर'** '' (नाटक) - सुरेश शुक्ल 'चंद्र', अमन प्रकाशन, कानपुर। डॉ. सुरेश शुक्ल 'चंद्र' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व। ग्रामीण जीवन की समस्याएँ। नाटक के तत्त्वों के आधार पर विवेच्य रचना की समीक्षा।	15	1
विभाग –3 Modul –III	' **माटी की मूरतें** ' (रेखाचित्र) - रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली। रामवृक्ष बेनीपुरी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व। पाठ्य रचनाओं में अभिव्यक्त सामाजिकता। समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन।	15	1
विभाग –	**श्रेष्ठ निबंध** (निबंध संग्रह) - सं. डॉ. आलोक गुप्त, शिक्षा	15	1

Modul –IV	भारती प्रकाशन, निबंध विधा का तात्विक विवेचन एवं महत्त्व। पाठ्य रचनाओं एवं रचनाकारों के सामाजिक मूल्य-बोध। कथेतर साहित्य का कथ्य और शिल्प।		

- **संदर्भ ग्रंथ -**

1. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास- डॉ. सुरेश सिन्हा।
2. हिंदी उपन्यास : एकअंतर्यात्रा- डॉ.रामदरश मिश्र।
3. हिंदी उपन्यासों के सौ वर्ष- सं. डॉ. रामदरश मिश्र।
4. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार- डॉ. द्वारिका सक्सेना।
5. उपन्यास स्थिति और गति- डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर।
6. जगदीशचंद्र के उपन्यासों में ग्राम्य जीवन- डॉ. शोभा दिव्यवीर, समता प्रकाशन.
7. नाट्यालोचन- डॉ. माधव सोनटक्के।
8. हिंदी नाटक- डॉ. बच्चन सिंह।
9. हिंदी निबंधकार- जयनाथ नलिन।
10. हिंदी निबंध के सौ वर्ष- डॉ. उपाध्याय।
11. हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन- डॉ. मु. ब. शहा।
12. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन- डॉ. बाबुराय
13. डॉ. सुरेश शुक्ल 'चंद्र' का रचना संसार- सं. डॉ. लवकुमार।
14. यू ट्यूब # काला पत्थर # kala # Gyanvikas
15. रामवृक्ष बेनीपुरी और उनका साहित्य- डॉ. गजानन चव्हाण

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक	20

	क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र- भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
प्रकार- MM
कोर्स न.- MM6
कोर्स कोड - **MAU0325MML502H2**
कोर्स क्रेडीट- 4
सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80
अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20
कुल अंक:-100.

उद्देश्य–

- अर्थ विज्ञान की समग्र जानकारी से परिचित कराना।
- प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं से अवगत कराना।
- हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों से परिचित कराना
- देवनागरी लिपि तथा संगणक सुविधाओं से अवगत कराना

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I Modul -I	अर्थ की अवधारणा तथा शब्द और अर्थ का संबंध. अर्थ परिवर्तन के कारण . अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ .	15	1
विभाग –2 Modul –II	**प्राचीन** भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक	15	1

	संस्कृत तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ . **मध्यकालीन** भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ. **आधुनिक** भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण.		
विभाग –3 Modul –III	हिंदी की उपभाषाएँ – पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियाँ	15	1
विभाग – Modul –IV	**देवनागरी** लिपि की विशेषताएँ, सीमाएँ **देवनागरी** लिपि की वैज्ञानिकता और मानकीकरण **हिंदी में** कम्प्युटर सुविधाएँ – मशीनी अनुवाद, मेल आयडी का पंजीकरण (विधि), ई–मेल प्रेषण एवं प्राप्ति, विषय की जानकारी ढूँढना (सर्चिंग), इंडिक इनपुट सॉफ्टवेअर परिचय	15	1

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी – भाषा विज्ञान– किताब महल, इलाहाबाद.
2. डॉ. भोलानाथ तिवारी – आधुनिक भाषा विज्ञान.

3. डॉ. अंबादस देशमुख – भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम.
4. डॉ. उदयनारायण तिवारी – हिंदी भाषा का उद्भव और विकास- भारती भंडार, प्रयाग.
5. डॉ. अंबाप्रसाद सुमन – भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग.
6. डॉ. भोलानाथ तिवारी – हिंदी भाषा की लिपि संरचना.
7. डॉ. सुधाकर कलावडे – भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा.
8. डॉ. हणमंतराव पाटिल – भाषा और हिंदी भाषा- विद्या प्रकाशन, कानपुर.
9. तेजपाल चौधरी – भाषा और भाषा विज्ञान-विकास प्रकाशन, कानपुर.
10. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा – भाषा विज्ञान की भूमिका- राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली.
11. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा – हिंदी भाषा का विकास.
12. डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – भाषा विज्ञान के सिद्धांत, निराली प्रकाशन पुणे.

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	**20**

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र - **हिंदी साहित्य का इतिहास**

प्रकार - MM

कोर्स न.- MM7

कोर्स कोड - **MAU0325MML502H3**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य :

1. आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य के युगीन परिवेश का परिचय कराना I
2. आधुनिक कालीन हिंदी पद्य साहित्य के विकास का परिचय कराना I
3. आधुनिक कालीन हिंदी गद्य साहित्य के विकास का परिचय कराना I
4. आधुनिक कालीन हिंदी कथेतर साहित्य के विकास का परिचय कराना I
5. आधुनिक कालीन हिंदी पद्य और गद्य रचनाकार तथा रचनाओं का परिचय कराना I

विभाग Modul	**इकाई Topic**	**अध्यापन तासिका Teaching Hour**	**श्रेयांक Credit**
विभाग –I Modul -I	**आधुनिक हिंदी कविता : विकास प्रक्रिया के सोपान** 1. भारतेंदु हरिश्चंद्र युगीन कविता – परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएं, काव्य प्रवृत्तियां 2. आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी युगीन कविता – परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएं, काव्य प्रवृत्तियां 3. छायावादी कविता – परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएं, काव्य प्रवृत्तियां . प्रगतिवादी कविता – परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएं, काव्य प्रवृत्तियां	15	1

विभाग – 2 Modul – II	**आधुनिक हिंदी कविता : विकास प्रक्रिया के सोपान** 1. प्रयोगवादी कविता – परिवेश, वैचारिक पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि तथा रचनाएं, काव्य प्रवृत्तियां 2. नई कविता – परिवेश, वैचारिक पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि तथा रचनाएं, काव्य प्रवृत्तियां 3. साठोत्तरी कविता – परिवेश, वैचारिक पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि तथा रचनाएं, काव्य प्रवृत्तियां 4. समकालीन कविता – परिवेश, वैचारिक पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि तथा रचनाएं, काव्य प्रवृत्तियां	15	1
विभाग – 3 Modul – III	**आधुनिक हिंदी कथा साहित्य का विकास** 1. हिंदी उपन्यास साहित्य का विकास – प्रमुख उपन्यासकार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह 2. हिंदी कहानी साहित्य का विकास – प्रमुख कहानीकार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह 3. हिंदी नाटक साहित्य का विकास – प्रमुख नाटककार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह 4. हिंदी एकांकी साहित्य का विकास – प्रमुख एकांकीकार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह	15	1
विभाग – Modul – IV	**आधुनिक हिंदी कथेतर साहित्य का विकास** 1. हिंदी निबंध साहित्य – उद्भव और विकास, प्रमुख निबंधकार 2. हिंदी यात्रा साहित्य – उद्भव और विकास, प्रमुख यात्रा साहित्यकार 3. हिंदी संस्मरण साहित्य – उद्भव और विकास, प्रमुख संस्मरणकार 4. हिंदी आत्मकथा साहित्य – उद्भव और विकास, प्रमुख आत्मकथाकार	15	1

संदर्भ ग्रंथ –

- हिंदी साहित्य : बीसवी शताब्दी, आ. वाजपेयी नंददुलारे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1983 ई.
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, डॉ. चतुर्वेदी रामस्वरुप, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1986 ई.
- हिंदी निबंध और निबंधकार, श्री. ठाकुर प्रसाद सिंह, हिंदी पुस्तक एजन्सी, बनारस, प्र. सं. 1951 ई.

- हिंदी गद्य साहित्य, डॉ. तिवारी रामचंद्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
- हिंदी साहित्यका आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. वर्मा रामकुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, डॉ. गुप्त गणपतिचंद्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- हिंदी साहित्य: युग और प्रवृत्तियां, डॉ. शर्मा शिवकुमार, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 2005
- हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां, डॉ. प्रसाद जयकिशन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	**20**

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र - लघुपट निर्माण

प्रकार- MM

कोर्स न.- MM8

कोर्स कोड - **MAU0325MML502H4**

कोर्स क्रेडीट- 2

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 40

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 10

कुल अंक:-50

उद्देश्य–

1. लघुपट निर्माण के लिए प्रेरित कराना.

2. पटकथा लेखन के प्रकारों से परिचित कराना.

3. दृश्य के माध्यम से कथा को विकसित करने की क्षमता निर्माण कराना.

4. लघुपट निर्माण के करते समय व्यावसायिकता को` अपनाकर हिंदी को भाषा, संस्कृति, विश्व स्तर पर लाने का प्रयास करना.

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching** **Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I Modul -I	लघुपट निर्माण, कथा का फिल्मांकन, कहानी का दृश्य विभाजन, कथा का संपादन, कैमेरा और उसका महत्त्व.	15	1

विभाग –2 Modul –II	पटकथा लघुपट: साहित्य और संस्कृति पटकथा: साहित्य और संस्कृति, लघुपट: साहित्य और संस्कृति, साहित्य और पटकथा का सौन्दर्यबोध, साहित्य और लघु पट सौन्दर्यबोध, पटकथा और लघुपट शिल्प एवं अन्य पक्ष, साहित्या विधाओं का दृश्य माध्यमो में रुपांतरण.	15	1

संदर्भ ग्रंथ–

1. पटकथा लेखन: एक परिचय- मनोहर शाम जोशी- राजकमल प्रकाशन दिल्ली.
2. पटकथा- मन्नू भंडारी –राजकमल प्रकाशन दिल्ली
3. मीडिया लेखन सुमित मोहन--वाणीप्रकाशन, दिल्ली.
4. मीडिया लेखन रुपचंद गौतम- नटराज प्रकाशन, दिल्ली.

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन– कुल अंक 40

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 3 प्रश्न 06 अंक ब) उचित मिलान 1 प्रश्न 02 अंक क) सही गलत 1 प्रश्न 02 अंक	10
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो) उत्तर सीमा 150-200 शब्द	10
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन: **10** अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र- अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग

प्रकार- ME

कोर्स न.- ME5

कोर्स कोड - **MAU0325MEL502H1**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100

उद्देश्य-

अनुवाद के प्रकार एवं प्रकृति से परिचित होना।

- अनुवाद के साधन, यांत्रिक साधन और मूल्यांकन से अवगत करना।
- कार्यालयीन, साहित्यिक, वैज्ञानिक और मीडिया के अनुवाद की समस्याएँ तथा समाधान की पहचान करना।
- अनुवाद की सामाजिक उपादेयता से परिचित कराना।

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I Modul -I	**साहित्यिक विधा** के आधार पर अनुवाद के प्रकार। **साहित्येतर** विषयों के अनुवाद के प्रकार। **अनुवाद प्रकृति** के आधार पर अनुवाद के प्रकार।	15	1
विभाग –2 Modul –II	**अनुवाद के साधन** / उपकरण विभिन्न कोश	15	1

	विविध संदर्भ ग्रंथ(सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक समीक्षा ग्रंथ, अनुवाद संबंधी पत्र-पत्रिकाएँ) अनुवाद के यांत्रिक साधन - संगणक, अनुवाद के विविध सॉफ्टवेयर, इंटरनेट, ई-मेल आदि **अनुवाद का मूल्यांकन** (विविध आधारों पर		
विभाग –3 Modul –III	**कार्यालयीन** में **अनुवाद** की समस्याएँ एवं समाधान **साहित्यिक अनुवाद** की समस्याएँ एवं समाधान **वैज्ञानिक तथा मीडिया** अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान	15	1
विभाग – Modul –IV	**तुलनात्मक अध्ययन** और अनुवाद **अनुवाद और सांस्कृतिक** आदान-प्रदान तथा अनुवाद की सामाजिक उपादेयता **मानवता विकास** में अनुवाद की भूमिका और **अनुवाद के रोजगारोन्मुख** अवसर	15	1

संदर्भ ग्रंथ -

1. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ- डॉ. भोलानाथ तिवारी.
2. अनुवाद कला,सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया-.
3. अनुवाद समस्याएँ एवं समाधान प्रो. (डॉ.) अर्जुन चव्हाण-अमन प्रकाशन.
4. प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान डॉ. मनोहर सराफ, डॉ. शिवकांत गोस्वामी-.
5. अनुवाद प्रक्रिया -डॉ. रीतारानी पालीवाल.
6. अनुवाद कला : कुछ विचार. आनंद प्रकाश खेमानी.

7. काव्यानुवाद की समस्याएँ –महेंद्र चतुर्वेदी, डॉ. ओमप्रकाश.
8. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ. सं. रविंद्र श्रीवास्तव, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी.
9. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ डॉ. भोलानाथ तिवारी.
10. अनुवाद कला डॉ. भोलानाथ तिवारी–.
11. हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद. आलोक कुमार रस्तोगी–
12. अनुवाद भाषाएँ : समस्याएँ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर.
13. अनुवाद के विविध आयाम डॉ. किशोरीलाल व्यास, 'नीलकंठ'–, इंदौर हिंदी समिति, हैदराबाद.
14. अनुवाद स्वरूप एवं सिद्धांत– डॉ. के. पी. शहा, फड़के प्रकाशन, कोल्हापुर, 1998.
15. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग– डॉ. आदिनाथ सोनटक्के चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर 1998.
16. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग डॉ. नगेंद्र, –दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1993.

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन–

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र- पत्रकारिता प्रशिक्षण और रोजगार के आयाम

प्रकार- ME

कोर्स न.- ME6

कोर्स कोड - **MAU0325MEL502H2**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100

उद्देश्य–

- .रेडियो, दूरदर्शन, मल्टी मीडिया और इन्टरनेट पत्रकारिता का परिचय करना।
- पत्रकारिता से रोजगार के विविध क्षेत्रों का परिचय कराना।
- पत्रकारिता और सूचना अधिकार की जानकारी देना।
- भारतीय प्रेस परिषद अधिकार और कर्तव्य से परिचित करना।

.

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching** **Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I Modul -I	**रेडियो पत्रकारिता**: परिचय, विकास, लेखन, बुलेटिन एवं प्रसारण **दूरदर्शन पत्रकारिता**: परिचय, विकास, लेखन एवं प्रस्तुतीकरण **मल्टीमीडिया और इंटरनेट** की पत्रकारिता परिचय, स्वरूप, भेद	15	1

विभाग –2 Modul –II	**रेडियो,** टीवी पर इंटरव्यू :स्वरूप, तत्व, स्टूडियो रिकॉर्डिंग और प्रस्तुति **फीचर** (रूपक) : स्वरूप, तत्व, प्रकार **मुद्रण कला**, प्रशिक्षण संस्थान, मुद्रण नियंत्रण के प्रकार	15	1
विभाग –3 Modul –III	**भारतीय संविधान** में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना अधिकार एवं मानवाधिकार **मुक्त प्रेस** की अवधारणा **प्रसार भारती** तथा सूचना प्रौद्योगिकी	15	1
विभाग – Modul –IV	**प्रेस परिषद:** प्रेस और राजभाषा **प्रेस परिषद** की कार्यप्रणाली **प्रजातांत्रिक** व्यवस्था और पत्रकारिता का दायित्व	15	1

संदर्भ ग्रंथ

1. जनसंचार और पत्रकारिता विविध आयाम– डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन पुणे.
2. मीडिया एक अंतर्यात्रा डॉ. स्मिता मिश्र–मंजुली प्रकाशन नई दिल्ली.
3. पत्रकारिता: विविध विधाएं, डॉ, राजकुमार रानी– जय भारती प्रकाशन, मुट्ठीगंज इलाहाबाद.
4. मीडिया: आयाम और प्रतिमान, डॉ, पृथ्वीनाथ पांडेय– जयभारती प्रकाशन, मुट्ठीगंज इलाहाबाद।
5. डॉ. अर्जुन चव्हाण – मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप एवं संभावनाएँ– वाणी प्रकाशन.
6. पत्रकारिता के विविध आयाम–डॉ. राजेंद्र मिश्र, डॉ. देवीसिंह राठौर, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली.
7. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता– डॉ. हरिमोहन–तक्षशिला प्रकाशन- नई दिल्ली.
8. पत्रकारिता इतिहास और प्रश्न– कृष्ण बिहारी मिश्र– वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

9. हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास–अर्जुन तिवारी– वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. हिंदी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ– विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
11. हिंदी की सर्वोदय पत्रकारिता, मृदुला गर्ग– विद्या प्रकाशन, कानपुर.
12. पत्रकारिता की विभिन्न धाराएं, निशांत सिंह– राधा पब्लिकेशन,दिल्ली।
13. समाचार एवं प्रारूप लेखन, डॉ. रामप्रकाश, दिनेश कुमार गुप्त– राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. प्रसार भारती और प्रसार नीति– सुधीर पचौरी– वाणी प्रकाशन दिल्ली।
15. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता एक समग्र मूल्यांकन– डॉ. सावित्रीदेवी श्रीवास्तव।
16. समकालीन पत्रकारिता मूल्यांकन और मुद्दे– राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार डॉ. ठाकुर दत्त आलोक– वाणी प्रकाशन दिल्ली।
18. .पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य, राजकिशोर, साहित्य सरोकार– कृष्ण नगर दिल्ली–51।

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन–

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600–800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600–800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300–400 शब्द	**20**

अंतर्गत मूल्यमापन : 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र- विशेष रचनाकार : कमलेश्वर

प्रकार- ME

कोर्स न.- ME7

कोर्स कोड - **MAU0325MEL502H3**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100

उद्देश्य :

- विशेष रचनाकार के व्यक्तित्व से परिचित कराना।
- रचनाकार के साहित्यिक प्रदेय एवं सामाजिक दायित्व से परिचित कराना।
- रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन तथा मूल्यांकन से अवगत कराना।
- रचानाकार तथा उनकी निर्धारित रचनाओं का विशेष अध्ययन कराना।
- रचानाकार तथा उनकी रचनाओं का वर्तमानकालीन महत्त्व एवं प्रासंगिकता से अवगत कराना।

पाठ्यपुस्तक -

1. 'तिसरा आदमी' (उपन्यास) - कमलेश्वर।
2. 'कितने पाकिस्तान' (उपन्यास) - कमलेश्वर।
3. 'अनबीता व्यतीत' (उपन्यास) - कमलेश्वर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. 'दस प्रतिनिधि कहानियाँ' (कहानी-संग्रह) - किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching** **Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I Modul -I	**कमलेश्वर** : व्यक्तित्व एवं कृतित्व। तीसरा आदमी	15	1

	(उपन्यास) **समीक्षा** मानदंडों के आधार पर विशेष अध्ययन। तीसरा आदमी (उपन्यास) में चित्रित समस्यां		
विभाग –2 Modul –II	**कितने पाकिस्तान** कमलेश्वर व्यक्तित्व एवं कृतित्व। **कितने पाकिस्तान (उपन्यास) : समीक्षा** मानदंडों के आधार पर विशेष अध्ययन **विवेच्य** रचना में चित्रित समस्यां।	15	1
विभाग –3 Modul –III	अनबीता व्यतीत (उपन्यास), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व। **अनबीता व्यतीत** (उपन्यास) : समीक्षा मानदंडों के आधार पर विशेष अध्ययन(ससंदर्भ व्याख्या) **विवेच्य रचना** में चित्रित समस्यां	15	1
विभाग – Modul –IV	**दस प्रतिनिधि कहानियाँ** (कहानी-संग्रह),किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली। पाठ्यविषय : **दस प्रतिनिधि कहानियाँ** (कहानी-	15	1

	संग्रह) लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।: समीक्षा मानदंडों के आधार पर विशेष अध्ययन। लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।(ससंदर्भ व्याख्या)		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी के लघु उपन्यासों का शिल्प- माधुरी खोसला विजयंत प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी के लघु उपन्यास- घनःश्याम 'मधुप', राधाकृष्ण प्रकाशन, भोपाल, प्र.सं. 1971
3. हिंदी के बहुचर्चित उपन्यास और उपन्यासकार डॉ. अमर जायसवाल - विद्या-विहार प्रकाशन, कानपुर.
4. कमलेश्वर की श्रेष्ठ कहानियाँ- राजेंद्र यादव, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।
5. बीसवीं शताब्दी हिंदी साहित्य :नये संदर्भ लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय-, इलाहाबाद.
6. प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्प-विधि डॉ. सत्यपाल चुघ-, इकाई प्रकाशन, इलाहाबाद.
7. हिंदी उपन्यास कला डॉ. प्रतापनारायण टंडन-, हिंदी साहित्य समिति, लखनऊ.
8. कमलेश्वर के लघु उपन्यासों का शिल्प-विधान डॉ. बबन सातपुते- विनय प्रकाशन, कानपुर।

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20

4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग- I द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र – सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य

प्रकार- ME

कोर्स न.- ME8

कोर्स कोड - **MAU0325MEL502H4**

कोर्स क्रेडीट- 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: - 20

कुल अंक:-100

उद्देश्य –

- छात्रों को मध्ययुगीन कवियों एवं काव्य कृतियों से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा काव्य कृतियों से परिचित कराना।
- प्रमुख कवियों की काव्य कृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- पठित कवि तथा उनकी काव्य कृतियों का वर्तमान कालीन महत्त्व से परिचित कराना।

पाठ्यपुस्तक –

1. 'मीराबाई की पदावली' – सं. आ. परशुराम चतुर्वेदी।
2. 'रामचरितमानस' – सं. आ. रामचंद्र शुक्ल।
3. 'रीतिकाव्य धारा' – कवि बिहारी – सं. आ. रामचंद्र तिवारी।
4. 'घनानंद कविता' – सं. लक्ष्मीदत्त गौतम।

विभाग **Modul**	**इकाई** **Topic**	**अध्यापन तासिका** **Teaching Hour**	**श्रेयांक** **Credit**
विभाग –I Modul -I	पाठ्यपुस्तक : **मीराबाई की पदावली, संपादक – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी**	15	1

	पाठ्यविषय : सगुण कृष्ण भक्ति काव्यधारा का स्वरूप मीराबाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय मीराबाई कालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ मीराबाई की पदावली का अध्ययन पद - 1,2, 20, 32, 36, 63, 111, 134, 156, 159, 175, 176, 183, 187, 188, 189, 192, 197, 198, 199,		
विभाग –2 Modul –II	**पाठ्यपुस्तक :** **रामचरितमानस - संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल** पाठ्यविषय : सगुण राम भक्तिधारा का स्वरूप तुलसीदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय तुलसीदास कालीन परिस्थितियाँ एवं काव्य प्रवृत्तियाँ रामचरितमानस का अध्ययन दोहे,चौपाइयाँ - 60, 62, 69, 70, 71, 81, 97, 101, 103, 106, 109, 110, 120, 123, 124,	15	1
विभाग –3 Modul –III	**रीतिकाव्य धारा (कवि बिहारी) - संपादक आचार्य रामचंद्र तिवारी**	15	1

	पाठ्यविषय : रीतिकालीन काव्यधारा : रीतिसिद्ध साहित्य का स्वरूप बिहारी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय बिहारी कालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ बिहारी के दोहों का अध्ययन (संसदर्भ व्याख्या) दोहे : 36, 43, 53, 54, 62, 70, 78, 96, 107, 118, 119, 124, 127, 133, 147, 150, 157, 162, 200, 201, 216, 217, 229, 301, 303		
विभाग – Modul –IV	**पाठ्यपुस्तक : घनानंद कविता, संपादक – लक्ष्मीदत्त गौतम** पाठ्यविषय : घनानंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय घनानंद कालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ रीतिकालीन काव्यधारा : रीतिमुक्त साहित्य का स्वरुप घनानंद के दोहों का अध्ययन – प्रेम व्यंजना, विरह वर्णन, स्वच्छंद योजना (संसदर्भ व्याख्या) दोहे : 1 से 20 तक	15	1

संदर्भ ग्रंथ –

1. मध्यकालीन काव्यधाराएँ एवं प्रतिनिधि कवि- डॉ. राय ललन- हरियाना साहित्य.
2. तुलसी रसायन डॉ. मिश्र भगीरथ- साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद.
3. रामचरितमानस एक अध्ययन -डॉ. मिश्र रामप्रसाद - भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली.
4. रीतिकाव्य की भूमिका डॉ. नगेन्द्र- नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी.
5. बिहारी काव्य का अभिनव मूल्यांकन- डॉ. किशोरीलाल- साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद.
6. बिहारी का नया मूल्यांकन- डॉ. सिंह बच्चन- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
7. रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि डॉ. सिंह बच्चन - साहित्य सदन देहरादून.
8. बिहारी विभूति- डॉ. मिश्र रामकुमारी- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

कुल अंक 100 (80 **प्रश्नपत्रिका** 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र	प्रश्न का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न अ) पर्यायवाची 6 प्रश्न 12 अंक ब) उचित मिलान 2 प्रश्न 04 अंक क) सही गलत 2 प्रश्न 04 अंक	20
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) उत्तर सीमा 600-800 शब्द	20
4.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) उत्तर सीमा 300-400 शब्द	20

अंतर्गत मूल्यमापन: 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा, भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

विशेष सूचना-

एम.ए. भाग एक के लिये अंतर्गत मूल्यमापन हेतु 20 अंक होंगे.

एम.ए. भाग एक प्रथम सत्र सेमीनार हेतु लिखित सामग्री अनिवार्य है.

द्वितीय सत्र - ग्रंथ परीक्षण/समीक्षा/अध्ययन यात्रा आदि.

द्वितीय सत्र - on job training / field project के लिये OJT / field project का अहवाल अनिवार्य.

B) TEMPLATE FOR FIELD PROJECT:

M. A. I, SEMESTER – II

Type: On Job Training/Field Project

Course Name: (Example: Field Project)

Course Number: (Example: OJ/FP)

Course Code: (Example; MAU0325OJL515G) ***(Note: For FP code used is OJ only)***

Course Credits: (Example: 4)

Marks: Dissertation/Project Report etc.: 80

Internal Assessment (Viva Voce): 20

Total Marks: 100

Course Learning Outcomes: (Write at least 4 outcomes. You may add more. Use Bloom's Taxonomy)

-
-
-
-

Instructions for teachers and students while doing Field Project:

1. Selection of Field project should be related to the mandatory or elective courses in the concerned subject.
2. SEPARATE Field project should be FORMALLY ASSIGNED (In Written Form) by concerned teacher to every student. It should not be done in common.
3. Field Project should be based on field work carried out by the student INDEPENDENTLY.
4. Submission of Field Project Report duly signed and certified by concerned teacher/guide is A PRE-REQUISITE FOR APPEARING TO VIVA-VOCE EXAMINATION.
5. TWO COPIES of Field Project Report in BOUND FORMAT should be submitted before Viva-Voce. One copy will be kept by department and the remaining will be returned to student.

Important Notes for Teachers:

1. Prepare an Appropriate Format of PERMISSION LETTER to be given to student to do the Field Project under the guidance of a concerned teacher.

2. Prepare an Appropriate Format for Writing the Field Report. **Kindly see that the First Page and Certificate Page is common for all students. In the remaining part, try to maintain uniformity.**

C) TEMPLATE FOR ON JOB TRAINING:

M. A. I, SEMESTER – II

Type: On Job Training

Course Name: (Example: On Job Training)

Course Number: (Example: OJ)

Course Code: (Example; MAU0325OJL515G)

Course Credits: (Example: 4)

Marks: On the Job Training Report: 80

Internal Assessment (Viva Voce): 20

Total Marks: 100

Course Learning Outcomes: (Write at least 4 outcomes. You may add more.)

-
-
-
-

Instructions for teachers and students while doing On-the-Job Training:

1. Selection of Institute/Organization/Consultant/Professional etc. should be based on the areas in the mandatory or elective courses in the concerned subject.

2. The Institute/Organization/Consultant/Professional etc., under whom the Training/Internship/ Apprenticeship is expected, should be FORMALLY ASSIGNED (In Written Form) by concerned teacher to every student.

3. Submission of On-the-Job-Training Report duly signed and certified by concerned teacher/guide is A PRE-REQUISITE FOR APPEARING TO VIVA-VOCE EXAMINATION.

4. TWO COPIES of On-the-Job-Training Report in BOUND FORMAT should be submitted before Viva-Voce. One copy will be kept by department and the remaining will be returned to student.

Important Notes for Teachers:

1. Prepare a Draft Letter for getting permission from the appropriate authority within the Institute/Organization or from Consultant/Professional etc. for the On-the-Job-Training/Internship/
Apprenticeship

2. Prepare an Appropriate Format for Writing the On-the-Job Training Report. **Kindly see that the First Page and Certificate Page is common for all students. In the remaining part, try to maintain uniformity.**

For Example:

The On-the-Job Training Report format may be as follows:

Student's Name: ----------

Name Of the College: ----------

Class: ----------Semester: ----------

Subject: ----------Seat Number: ----------

Year ----------Duration of Internship: ----------

Internship Site/ Name of the Institution: ----------

Institute Supervisor's Name: ----------

College Teacher who supervised: ----------

Introduction:

This section should provide the area of interest, its' importance in contemporary world, the reasons for choosing this area as well as the institution/organization/consultant/professional etc. .

Description of the organization:

This section should provide a brief overview of the organization where the internship will take place, including its mission, goals, and services and experience.

Duties and responsibilities:

This section should describe the specific tasks and responsibilities the student had during the internship, as well as any notable projects or activities they were involved in.

Reflection on learning outcomes and accomplishments:

This section should highlight the key learning and accomplishments the student achieved during the internship (skills, knowledge, attitude etc.). The student is expected to provide an in-depth reflection on the overall growth and impact of training.

Areas for improvement:

This section should address areas for improvement the student seen by himself/herself during the internship. He/she should reflect on how to overcome these challenges or plan strategies for improvement.

Conclusion:

This section should summarize the key takeaways from the internship experience.

Appendices:

This section should include following documents:

- Formal permission letter by Concerned Teacher/Guide sent to concerned Institution/Organization/Professional/Consultant etc.
- Formal Acceptance Letter by Institution/Organization/Professional/Consultant etc. for Training.
- Attendance sheet with Day, Date, Time, Number of Hours, Brief description of Training/ Learning activities, Signature of Institutional Authority, Signature of Concerned Teacher.
- Google Tagged photos of showing Attendance as well as Doing Work
- Compliance Certificate with remarks duly signed by Institutional Authority
- Other supporting material